Paper - VI

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - VI

Time : 2 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 40**

सूचनाएँ :- **(1)** सूचना के अनुसार गद्य और पद्य की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

12 अंक

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

1) i) कृति पूर्ण कीजिए। **1**

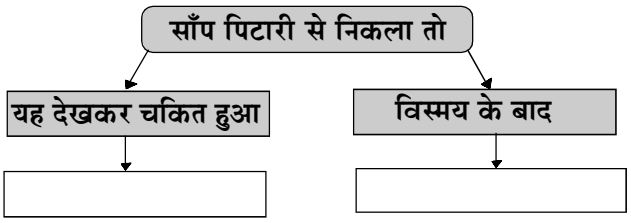

ii) आकृति पूर्ण कीजिए। **1**

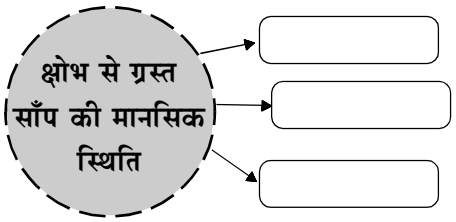

अगले दिन बहँगी पर टाँगकर सपेरा नगर में साँप का तमाशा दिखाने को चला । साँप के घर पर से जो ढकना खुला तो उसने प्रसन्नता से सिर ऊपर उठाया; किंतु बीन बज रही थी; इसलिए उसका उठा हुआ फन हिलकर ही रह गया और प्रसन्नता अपने शैशव में ही मुग्ध हो पड़ी ।

जब उसको बाहर निकाला, तो वह यह देखकर चकित हो गया कि चारों ओर से उसे घेरकर बहुत- से तमाशाई लोग खड़े हैं । विस्मय के बाद इसपर उसका मन क्रोध से भर आया । उसने जोर से फुफकार मारी, फन फैलाया और क्रुद्ध आँखों से चारों ओर देखा ।

उसकी इस चेष्टा पर चारों ओर खड़े लोगों में से कुछ बच्चे तो चाहे डरे हों, पर सबको इसमें कुतूहल ही मालूम हुआ । यह देखकर साँप ने धरती पर पटककर अपने फन को और भी चौड़ा कर ऊँचा उठाया और जोर की सिसकारी छोड़ी ।

किंतु दर्शकों का कुतूहल इससे कुछ और बढ़कर ही रह गया, आतंक उनमें तनिक न उपजा ।

साँप ने देखा कि उसकी तेजस्विता का तनिक भी सम्मान लोगों में नहीं है । इसपर क्षोभ उसके भीतर बल खा- खाकर उभरने और झरने लगा । वह क्षोभ उसे ही खाने लगा । अशक्त, निरुपाय, भीतर-ही-भीतर जलकर विक्षुब्ध । तब वहीं अपनी पूँछ में मुँह छिपाकर, आँख मूँद धरती पर लोट गया । वह न जग को देखना चाहता था, न दीखना चाहता था । व्यर्थता की अनूभूति से उसके प्राण मानो अपने-आपमें ही सिक -सिककर, भुन-भुनकर सूखते जाने लगे।

2) निम्नलिखित शब्दों का वर्गीकरण कीजिए । 2

(तमाशाई, अशक्य, तेजस्विता, निरुपाय)

उपसर्गों से बने शब्द	प्रत्ययों से बने शब्द
i)	i)
ii)	ii)

3) 'स्वतंत्रता सबको प्यारी' इस विषय पर अपने मत प्रकट कीजिए। 2

प्र.1. (ख) सूचना के अनुसार निम्नलिखित कृतियाँ परिच्छेद के आधार पर पूर्ण कीजिए । (6)

1) i) **उत्तर लिखिए। 1**

गोपाल अखबार में पढ़ा करता था -

(1) ---------- (2) ----------

ii) **उचित पर्याय चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 1**

(1) कैलाश ने ..... बनना पसंद किया।

(क) इंजीनियर (ख) शिक्षक (ग) डाक्टर

(2) मोहन ..... उनसे लेकर स्वयं यह काम करता है।

(क) आशीर्वाद (ख) चायदानी (ग) अनुमति

आत्माराम : गोपाल, मुझे तुम्हारी इस भावना से बड़ा सुख मिला । (राकेश ट्रे में चाय लेकर आता है । चायदानी मेज पर रख जाता है । आत्माराम चाय को प्यालों में भरने के लिए खड़े होते हैं कि मोहन चायदानी उनसे लेकर स्वयं यह काम करता है । सब लोग चाय पीने लगते हैं ।)

मनोहरलाल : क्यों गोपाल, तुमने इंजीनियर बनना क्यों पसंद किया ?

गोपाल : आचार्य जी, मैं रोज अखबारों में पढ़ा करता था कि अन्य देश उद्योग में बड़ी उन्नति कर रहे हैं । हमारे देश में कुशल इंजीनियरों की बड़ी आवश्यकता है ।

प्रत्येक दिन निर्माण के नए - नए कार्य होते हैं । बस, मैंने तभी से मन में इंजीनियर बनकर अपने देश की सेवा का संकल्प लिया । लगता है, आप के आशीर्वाद से अब मैं अपने देश की सेवा कर सकूँगा ।

आत्माराम : ठीक है । (कैलाश से) अच्छा कैलाश ! तुमने डाक्टर बनना क्यों पसंद किया ?

कैलाश : गुरुदेव, बचपन में आपने एक कहावत सुनाई थी ।

आत्माराम : कौन - सी ?

कैलाश : जाके पैर न फटी बिवाई, वह क्या जाने पीर पराई ।

आत्माराम : हाँ, फिर ?

कैलाश : आचार्य जी, एक बार मैं बहुत बीमार पड़ा । तब मुझे अनुभव हुआ कि रोगी को कितनी पीड़ा होती है । डाक्टर कितनी सहानुभूति से रोगी का इलाज करता है ।

मोहन : तो तुम्हारी बीमारी ने तुम्हें डाक्टर बनाया ।

कैलाश : हाँ ! एक बार गोपाल बहुत बीमार हुआ था । मुझे इसकी सेवा करने का अवसर मिला । इसकी तीमारदारी और सेवा में मुझे बड़ा सुख मिलता था । बस, तभी से मैंने निश्चय कर लिया था कि डाक्टर बनूँगा और अपने देश के रोगी भाइयों का इलाज कर देश की सच्ची सेवा करूँगा ।

2) i) **सही शब्द तैयार कीजिए।** **1**

(1) | नी | दा | चा | य | = ☐

(2) | व | त | हा | क | = ☐

ii) **निम्न शब्दों के वचन परिवर्तित कीजिए ।** **1**

(1) डाक्टर (2) भाइयों

3) **'डाक्टर ईश्वर का दूसरा रूप' पर अपने विचार 6 से 8 वाक्यों में लिखिए।** **2**

विभाग 2 - पद्य **10 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (5)

1) i) **पद्यांश के आधार पर उत्तर लिखिए।** **1**

(1) परमात्मा को पाने का उपाय वे जानते हैं-

(2) भक्त परमात्मा में ऐसे लीन हो जाता है -

ii) **पद्यांश के आधार पर उत्तर लिखिए।** **1**

पद्यांश से मिली सीख -

(1) ..... (2) .....

जो नर दुख में दुख नहिं मानै ।
सुख सनेह अरु भय नहिं जाके, कंचन माटी जानै ।।
नहिं निंदा नहिं स्तुति जाके, लोभ - मोह अभिमाना ।
हरष शोक तें रहैं नियारो, नाहिं मान - अपमाना ।।
आसा मानसा सकल त्यागि के, जग तें रहै निरासा ।
काम, क्रोध जेहि परसे नाहीं, तेहि घट ब्रह्म निवासा ।।
गुरु किरपा जेहि नर पै कीन्हीं, तिन्ह यह जुगुति पिछानी ।
नानक लीन भयो गोबिंद सों, ज्यों पानी सों पानी ।।

2) पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए । 1

i) नियारो → ☐

ii) जुगुत → ☐

3) 'ईश्वर - प्राप्ति के मार्ग' इस विषय पर 6 से 8 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए। 2

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (5)

1) उत्तर लिखिए। 2

i) कोयल की बोली होती है -

(1) ..... (2) .....

ii) कोयल के गुण -

(1) ..... (2) .....

मीठी तान कान में ऐसे, आती है वंशी धुनि जैसे ।
सिर ऊँचा कर मुख खोले है, कैसी मृदु बानी बोले है ।
इसमें एक और गुण भाई, जिससे यह सबके मन भाई ।
यह खेतों के कीड़े सारे, खा जाती है बिना विचारे ।

2) पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए। **1**

i) मधुर → ______

ii) मुरली → ______

3) फसलों पर प्रयोग किए जाने वाले कीटनाशक पर अपने विचार 6 से 8 वाक्यों में लिखिए। **2**

विभाग 3 - व्याकरण
6 अंक

प्र.3. मानकवर्तनी के अनुसार शब्द चुनिए । **1**

i) अद्विातीय / अद्‌वितीय / अद्वितिय / अद्वीतीय → ______

ii) अंगूठी / अँगुठी / अंगुठी / अँगूठी → ______

2) निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए । **1**
के नीचे

3) i) काल पहचानिए । **1**
अँधेरा घिर आया ।

ii) काल परिवर्तन कीजिए । **1**
मैं सेना में भरती हो जाऊँगा । (पूर्ण वर्तमानकाल)

4) i) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए । **1**
(त्यौरियों पर बल पड़ना, प्राण सूख जाना, मन भारी होना)
मॉनिटर की बात सुनकर मुंशी जी <u>**भयभीत हो उठे ।**</u>

ii) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । **1**
खून खौलना

विभाग - 4 - रचना **12 अंक**

प्र.4. 1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **4**

सौरभ / सुमन तिवारी, गीता भवन, राजीव मार्ग, पूना से सरस्वती विद्या मंदिर, शीतल गंज, पूना को हिंदी शिक्षक की नौकरी के लिए प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है ।

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । **4**

1. My intention is to help the poor.
2. His intention is to deceive everybody.
3. You had better take care of your health.
4. Unless they work hard, they can't pass.

3) निम्नलिखित प्रसंग पर लगभग 60 से 80 शब्दों में अपने विचार लिखिए । **4**

आपके पिताजी चाहते है कि आप डॉक्टर बनें लेकिन आप चित्रकार बनना चाहते हैं । इस संबंध में पिताजी के मत परिवर्तन के लिए आपके द्वारा किए गए प्रयास ।

Best Of Luck